Vinay Katiyar, we want to run the House. Why do you create problem? *...(Interruptions)... ...(Interruptions)...* Sit down. *...(Interruptions)... ...(Interruptions)...* आप लोग अपनी जगह पर जाइए। *...(Interruptions)... ...(Interruptions)...* I will call you. *...(Interruptions)... ...(Interruptions)...* आप लोग अपनी जगह पर जाइए। *...(Interruptions)...*You go back. I would solve it. *...(Interruptions)... ...(Interruptions)...* The House is adjourned for fifteen minutes. *...(Interruptions)... ...(Interruptions)...*

The House then adjourned at twenty minutes past eleven of the clock.

The House re-assembled at thirty five minutes past eleven of the clock,

MR. DEPUTY CHAIRMAN *in the Chair.*

WELCOME TO MEMBERS OF PARLIAMENTARY DELEGATION FROM RUSSIAN FEDERATION

MR. DEPUTY CHAIRMAN : Hon. Members I have an announcement to make. We have with us seated in the special box Members of a parliamentary delegation from Russian Federation. Currently on a visit to our country under the distinguished leadership of His Excellency, Mr. Sergei Naryshkin, Chairman of the State Duma of Federal Assembly of the Russian Federation.

On behalf of the Members of the House and on my own behalf, I take pleasure in extending a hearty welcome to the leader and other members of the delegation and wish our distinguished guests an enjoyable and fruitful stay in our country. We hope that during their stay they would be able to see and learn more about our parliamentary system of our country and our people, and that their visit to this country will further strengthen the friendly bonds that exist between India and Russian Federation. Through them we convey our greetings and best wishes to the Parliament and friendly people of the Russian Federation. Thank you.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Now, Shri Naresh Agrawal.

MATTERS RAISED WITH PERIESSION

Remarks against Mother Teresa by RSS Chief — *(Contd.)*

श्री नरेश अग्रवाल (उत्तर प्रदेश) : माननीय उपसभापति जी, सवेरे जो मुद्दा उठाया गया और आज जो मुद्दा हम उठा रहे हैं, वह माननीय सदस्य चले गए,...(**व्यवधान**)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Please address the Chair.

श्री नरेश अग्रवाल : लेकिन पता नहीं क्यों लेकिन उनके दल के कई बड़े नेता उनको लंगूर, बंदर इत्यादि कहते रहे हैं, मैं नहीं कहता, लेकिन वे लोग कहते रहे हैं, जो उत्तर प्रदेश में हैं।

श्रीमन्, मुझे तो लगता है कि यह सरकार एक सुनियोजित षडयंत्र के तहत अपनी असफलताओं को छिपाने के लिए रोज़ाना नये-नये बयान दिलवाती है। इन्हीं सब कारणों से पिछली बार भी सत्र नहीं चला और इन्होंने इसकी पूरी जिम्मेदारी विपक्ष पर डाल दी, लेकिन वह जिम्मेदारी सत्तापक्षकीहीथी।आजभीजिसतरहपार्लियामेंट्रीअफेयर्समिनिस्टरकेसाथव्यवहारहुआ,उसकी हमें तक़लीफ है, उन लोगों को तक़लीफ हो या न हो।

श्रीमन्, आरएसएस के चीफ का जो बयान आया, मदर टेरेसा, जिनको भारत रत्न मिला है, वह बयान पूरे तरीके से भारत रत्न का ही अपमान है। महात्मा गाँधी के बाद अगर विश्व में कोई दूसरा व्यक्ति जाना जाता है, तो मदर टेरेसा जानी जाती हैं। आप उनका अपमान करने की बात करते हैं? मैंने इनके एक एमपी का बयान भी पढ़ा,* कुछ और बयान दे देते हैं, बजरंगी चले गये, वे कुछ और बयान दे देते हैं, इनकी मंत्री कोई और बयान दे देती हैं। ...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापति : बस अब आप एसोसिएट कीजिए।

श्री नरेश अग्रवाल : श्रीमन्, यह बात मैं इसलिए कह रहा हूं, प्रधान मंत्री जी को इसे स्पष्ट करना चाहिए। अगर हम लोग इस तरह से जिद करें, तो यह कोई गम्भीर बात नहीं है। आखिर कौन इस बात को स्पष्ट करेगा कि ये सब बातें गलत हैं? सरकार अपनी नीति पर चलेगी, अब तो पूरे देश को इसका शक होने लगा। दिल्ली ने आपको सबक सिखाया है, अब तो आप सबक सीखिए। अगर आप सबक नहीं सीखेंगे, तो आप चाहे 'लव जेहाद' ले आएं, चाहे 'घर वापसी' ले आएं, इन सब बातों से कोई फायदा होने वाला नहीं है। ....(**समय की घंटी**)...

यह देश चाहता है कि विकास हो, यह देश आगे बढ़े। कल नेता प्रतिपक्ष ने इस बात को साफ-साफ कहा था।

श्रीमन्, हमारी मांग है कि सरकार से जवाब दिलवाया जाए और जो बजरंगी थे, पहले वे माफी मांगें। अगर प्रधान मंत्री जी स्वयं इसका जवाब दें, तो मैं समझूंगा कि अधिक उचित होगा।

SHRI ANANDA BHASKAR RAPOLU : Mr. Deputy Chairman, I associate myself with the issue raised by the hon. Member.

श्री नीरज शेखर (उत्तर प्रदेश) : महोदय, मैं स्वयं को इनके उल्लेख से सम्बद्ध करता हूं।

श्रीमती रजनी पाटिल (महाराष्ट्र) : महोदय, मैं स्वयं को इनके उल्लेख से सम्बद्ध करती हूं।

डॉ. विजयलक्ष्मी साधौ (मध्य प्रदेश) : महोदय, मैं स्वयं को इनके उल्लेख से सम्बद्ध करती हूं।

श्रीमती विप्लव ठाकुर (हिमाचल प्रदेश) : महोदय, मैं स्वयं को इनके उल्लेख से सम्बद्ध करती हूं।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The names of the Members who are associating will be added.

श्री राजीव शुक्ल (महाराष्ट्र): सर, हम भी दो लाइनें बोलना चाहते हैं।

श्री उपसभापति : श्री मुख्तार अब्बास नक़वी।

---

* Expunged as asdeseed the Chair.

अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री; संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुख़्तार अब्बास नक़वी) : आदरणीय उपसभापति महोदय, माननीय सदस्यों ने मदर टेरेसा के प्रति और उनकी सेवा के प्रति जो बात कही है, उसमें किसी को भी कहीं कोई कन्फ्यूज़न नहीं है। उस बात में किसी तरह का कोई कंट्राडिक्शन नहीं है। पूरा देश मदर टेरेसा का सम्मान करता है और सेवा भाव से किए गए उनके काम की प्रशंसा करता है। जहां तक माननीय सदस्य का सवाल है, बहुत से विषय, बहुत से विचार सदन के बाहर आते रहते हैं, उन पर चर्चा या बहस हो सकती है। मुझे नहीं लगता कि सदन के अन्दर किसी भी सदस्य के मन में, चाहे वह इधर बैठा हो या उधर बैठा हो, यह शंका होगी कि मदर टेरेसा का सेवा भाव से किया गया काम किसी भी तरह से शक के दायरे में है। जो बात माननीय सदस्य कह रहे हैं, हमारा मानना भी वही है।

श्री शरद यादव (बिहार): उपसभापति जी, यह निर्गुण तरीके से दिया गया जवाब ठीक नहीं है। मैं कहना चाहता हूं कि पूरे सदन और पूरे देश में लोगों को इस से बहुत पीड़ा हुई है। ..(**व्यवधान**).. जिस विषय से कोई मतलब नहीं है और ऐसा नहीं कि कोई बाहर बोल रहा है तो वह बाहर का आदमी है, उसमें कई सदस्य हैं जो यहां बैठे हुए हैं, उनके बारे में मेरी कोई प्रतिक्रिया नहीं है, लेकिन इस मामले पर सदस्यों ने जो बात रखी है, वह बात ह्रदय से रखी है और उस पर मंत्री जी का जवाब निर्गुण है। वह ठीक नहीं है और ठोस जवाब नहीं है जिससे इस तरह के बयान आने बंद हों।

श्री उपसभापति : ओ. के. शरद जी।

श्री शरद यादव : सर, आपको सदस्यों को प्रोटेक्ट करना चाहिए। सरकार जिस तरीके से जवाब दे रही है, आप उससे संतुष्ट हैं?

MR. DEPUTY CHAIRMAN: You have made your point. The Minister has said what he has to say. *...(Interruptions)...*

SHRI P. RAJEEVE (Kerala): Sir, Parliament is the custodian of the Constitution. This statement is totally against Article 25. The Government should condemn it. *...(Interruptions)...*

MR. DEPUTY CHAIRMAN: You have demanded it, and the Minister has said what he can say according to him. I cannot ask him to say in a particular way. *...(Interruptions)...*

SHRI P. RAJEEVE: Sir, what is the stand of the Government? Is the Government ready to condemn it?

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Anyway we are having the discussion on the President's Address. You can raise it then. *...(Interruptions)...*

श्री शरद यादव : महोदय, मदर टेरेसा को पूरे सदन की सहमति से भारत रत्न मिला है। यह किसी एक व्यक्ति की बात नहीं है। उन्हें एक संस्था द्वारा यह सम्मान दिया गया है।

श्री उपसभापति : शरद जी, अभी जीरो ऑवर बाकी पड़ा है।

श्री शरद यादव : सर, मैं दूसरे मामले में नहीं बोला। ..(**व्यवधान**).. अब आप प्रोटेक्ट नहीं करेंगे तो कौन प्रोटेक्ट करेगा? ..(**व्यवधान**)..

श्री उपसभापति : मैं क्या कर सकता हूं? I cannot ask him to say in a particular way. It is up to the Government. *...(Interruptions)... ...(Interruptions)...* शरद जी, क्या बोलना है, कैसे बोलना है, यह मंत्री जी की बात है। मैं क्या करूं? I cannot direct him. *...(Interruptions)...*

श्री शरद यादव : फिर हम एक लाइन का प्रस्ताव रखते हैं कि इस बयान को कंडैम करेंगे। पूरे सदन में आप इस पर वोट करा लीजिए।

SHRI RAJEEV SHUKLA: Sir, there is a very easy solution. The Government can condemn the statement made by somebody, whose name I am not mentioning here, outside Parliament. They can easily condemn it.

MR. DEPUTY CHAIRMAN : But that is up to the Government*... (Interruptions)...*

SHRI RAJEEV SHUKLA: When his Government was there at that time, Shri Atal Bihari Vajpayee sent a delegation for mourning when Mother Teresa died. Certainly, all paid their respects. So, what I am requesting the Government is that they should condemn the statement which has been made by the RSS Chief.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: It is up to the Government. *...(Interruptions)...*

SHRI P. RAJEEVE: With the Bharat Ratna being awarded on her and being a Nobel Peace Laureate, Mother Teresa became a Member of this House as per the Constitution. So, this is an insult on the Bharat Ratna and on a Member of this House.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Now you have made your point. Now, Shri Pramod Tiwari.

Leaking of secret documents from important Ministries of Government of India

श्री प्रमोद तिवारी (उत्तर प्रदेश) : मान्यवर, मैं बहुत ही संवेदनशील विषय को सदन में उठा रहा हूं। महोदय, जहां पार्लियामेंट हाउस स्थित है, जिसे सर्वाधिक सुरक्षित जोन माना जाता है, इस क्षेत्र में स्थित मंत्रालय अत्यंत ही संवेदनशील और सुरक्षित क्षेत्र में आते हैं। यह सरकार सुशासन का वायदा करके आई थी, सुरक्षा का वायदा करके आई थी, लेकिन अभी कुछ दिनों पहले यह बात प्रकाश में आई है कि पेट्रोलियम मत्रालय में, पर्यावरण मंत्रालय में, कंपनी कार्य मंत्रालय में और मान्यवर मैं अत्यंत ही दुख और संवेदना के साथ कहना चाहता हूं कि जिस मंत्रालय पर देश की रक्षा की जिम्मेदारी है, उस